प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्राकृतिक खेती के तहत खाद्य उत्पादन में आयेगी स्थिरता

पन्तनगर। 24 मार्च 2025। विश्वविद्यालय में उत्तराखंड राज्य के सरकारी अधिकारियों के लिए पंतनगर विश्वविद्यालय के डॉ. वाईएल नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित तीन–दिवसीय 24–26 अप्रैल 2025 तक प्राकृतिक खेती के दूसरे चरण का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के उत्तराखंड सरकार के महानिदेशक डा. के.सी. पाठक ने किया। पंतनगर विश्वविद्यालय को वर्तमान में भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती के केंद्रों में से एक घोषित किया गया है। उत्तराखंड राज्य के लगभग 40 सरकारी अधिकारियों का एक समूह प्राकृतिक खेती के सिद्धांत को समझने के लिए भाग ले रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नोडल अधिकारी डा. सुनीता टी. पांडे ने प्रशिक्षण की रूप–रेखा और प्राकृतिक खेती के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन और स्वागत प्राकृतिक खेती केंद्र की संकाय सदस्य डा. प्रियंका पांडे ने किया। इस प्रशिक्षण में प्राकृतिक खेती की विधि, शोध भ्रमण और वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। कार्यक्रम में निदेशक प्रसार डा. बी.डी. सिंह, संयुक्त निदेशक डा. एस.के. वर्मा, अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चंद्रा एवं कार्यवाहक निदेशक शोध डा. के.पी. सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षण को वैज्ञानिक तरीके से डिजाइन किया गया है, जिससे प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के पीछे के विज्ञान, विभिन्न पद्धतियों के बारे में जानने और प्रायोगिक भूखंड को देखने के लिए फील्ड विजिट का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य भी मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन उद्यान विभाग की प्राध्यापिका डा. रत्ना राय ने दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते उत्तराखण्ड सरकार के अधिकारीगण।

निदेशक संचार